अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

तत्त्व ज्ञान वर्ष : 2019 **दिनांक : 20-12-2019**

समय : 3 घंटा **प्रथम वर्ष-द्वितीय प्रश्न पत्र** **पूर्णांक : 100**

जैन तत्त्व विद्या-50

प्र. 1 किन्हीं पन्द्रह प्रश्नों के उत्तर एक या दो वाक्य में दीजिए- 15

(क) कौन सा आहार समाप्त होते ही आयुष्य समाप्त हो जाता है?

(ख) आहारक शरीर की संरचना कौनसे मुनि करते हैं?

(ग) नैगम नय किसे कहते हैं?

(घ) नियति का क्या अर्थ है?

(ङ) 'विज्ञान' शब्द से आप क्या समझते हैं?

(च) इतरेतर अभाव किसे कहते हैं?

(छ) दिवसचरिम से आप क्या समझते हैं?

(ज) शुक्ल ध्यान का क्या अर्थ है?

(झ) मरणांतिक समुद्घात से आप क्या समझते हैं?

(ञ) चौदहवें गुणस्थान में कर्मों का बंधन क्यों नहीं होता है?

(ट) उद्धर्तन किसे कहते हैं?

(ठ) कौन-कौन से चारित्र क्षायोपशमिक भाव है?

(ड) कोई भी जीव क्या गोत्र कर्म की दो प्रकृतियों को एक साथ भोग सकता है?

(ढ) कौन-कौन से स्पर्श की बहुलता से मृदु स्पर्श बनता है?

(ण) किन-किन स्थानों से शब्द की उत्पत्ति होती है? जिनका सीधा संबंध जीव से है।

(त) खड़े या चलते समय आने वाली नींद को क्या कहते हैं?

(थ) ओध संज्ञा से आप क्या समझते हैं?

प्र. 2 किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखें- 15

(क) जन्म का अर्थ बताते हुए समूर्च्छिम जीवों के बारे में बताएं।

(ख) दर्शन के आचार में से अमूढ़ दृष्टि के बारे में लिखें।

(ग) ऋजुनय सूत्र से आप क्या समझते हैं? व्याख्या करें।

(घ) स्थापना व भाव निक्षेप की व्याख्या करें।

(ङ) कर्म के चार कार्य में अवरोध एवं शुभाशुभ का संयोग की व्याख्या करें।

प्र. 3 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर विस्तार सहित लिखें– 20

(क) अंतराल गति के दो प्रकार की विस्तृत व्याख्या करें।

(ख) पुद्गल के चार लक्षणों की विस्तृत व्याख्या करें।

(ग) भाव किसे कहते हैं? उसके प्रकारों का विस्तृत व्याख्या करें।

(घ) स्यादवाद के सात प्रकारों का विस्तृत वर्णन करें।

तत्त्व-चर्चा–30

प्र. 4 किन्हीं दस प्रश्नों के उत्तर एक या दो वाक्य में दें– 10

(क) मोक्ष आज्ञा में या आज्ञा के बाहर?

(ख) पाप और धर्म एक या दो?

(ग) बंध धर्म या अधर्म?

(घ) छह द्रव्य में एक कितने अनेक कितने?

(ङ) अधर्म छह में कौन? नौ में कौन?

(च) पांच समिति छह में कौन? नौ में कौन?

(छ) बंध जीव या अजीव?

(ज) निर्जरा हेय या उपादेय?

(झ) जीवास्तिकाय रूपी या अरूपी?

(ञ) सिद्ध भगवान सूक्ष्य या बादर?

(ट) अरिहंत भगवान मनुष्य या देवता?

(ठ) साधु तपस्या करे वह व्रत में या अव्रत में?

प्र. 5 कोई चार चर्चा लिखें– 20

(क) सावद्य पर चर्चा।

(ख) पुण्य धर्म आदि एक या दो।

(ग) विविध विषयों पर छह द्रव्य नौ तत्त्व।

(घ) नौ तत्त्व पर चोर-साहूकार।

(ङ) छह द्रव्यों पर छह में कौन नौ में कौन की चर्चा।

(च) कर्म पर छह द्रव्य, नौ तत्त्व।

गीतिका–20

प्र. 6 कोई तीन पद्य अर्थ सहित पूर्ण करें– 15

(क) सावद.....नांई रे।

(ख) बंध मोख.....भरमाई रे।

(ग) लीघी.....बूडा जात।

(घ) देव गुरु.....रो भर्म।

(ङ) सगल गिरि.....गामोगाम।

प्र. 7 किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर लिखें– 5

(क) भगवान ने.....में.....को दुर्लभ बताया है।

(ख) .....की तुझे परख नहीं, ...की प्रकृति का तुझे ज्ञान नहीं। फिर भी तू बहुत अहंकार करता है।

(ग) .....तत्त्वों को सही समझ लेने पर .....ही प्रकार का मिथ्यात्व छूट जाता है।

(घ) संक्षेप नय की दृष्टि से..... और ..... ये दो द्रव्य हैं।

(ङ) मोक्ष के प्रमुख मार्ग कौन-कौन से हैं?

(च) सम्यक्त्व आने से क्या-क्या प्रकट होता है तथा क्या टूट जाते हैं?

(छ) दुर्गति का प्रमाण पत्र क्या है?